विषय– हिन्दी
(कक्षा–11)

पूर्णांक 100

इस विषय में 100 अंकों का एक प्रश्नपत्र तीन घण्टे का होगा। सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभाजित है–

क– गद्य, पद्य, खण्ड काव्य, नाटक और कहानी।

ख– संस्कृत– गद्य, पद्य, निबन्ध, काब्य सौन्दर्य के तत्व, संस्कृत व्याकरण और अनुवाद।

खण्ड–क (अंक–50)

1–हिन्दी गद्य का विकास –हिन्दी गद्य का उद्‌भव एवं विकास, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग 1X4=4अंक

2–काव्य साहित्य का विकास –पद्य साहित्य का उद्‌भव एवं विकास, काल विभाजन, आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां, कवि एवं उनकी प्रमुख रचनाएं 1X4=4 अंक

3.सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम। 1X2=2 अंक

(सड़क सुरक्षा में ज्ञानात्मक बोधात्मक आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न पूछें जायेगें)।

4– पाठय्क्रम में निर्धारित गद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2X5=10 अंक

5– पाठय्क्रम में निर्धारित पद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2X5=10 अंक

6(क)–संकलित गद्य के पाठों के लेखकों का जीवन परिचय, जीवनी, कृतियाँ तथा भाषा शैली

(शब्द सीमा अधिकतम 80) 3+2=5 अंक

(ख) कवि परिचय, जीवनी, कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ– (शब्द सीमा अधिकतम 80) 3+2=5 अंक

7– कहानी–चरित्र–चित्रण, कहानी के तत्व एवं तथ्यों पर आधारित लघु उत्तरीय (शब्द सीमा अधिकतम 80) 5x1=5अंक

8– नाटक–निर्धारित नाटक की विशेषताएँ एवं पात्रों के चरित्र चित्रण पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न

(शब्द सीमा अधिकतम 80) 5x1=5अंक

खण्ड–ख (अंक–50)

9(क)–पठित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत गद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक

(ख)– पठित पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों के संस्कृत पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद 2+5=7 अंक

10–पाठों पर आधारित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर (कोई दो प्रश्न करना है)। 2+2=4 अंक

11–काव्य सौन्दर्य के तत्व–

(क) सभी रस–(परिभाषा, उदाहरण एवं पहचान) 1+1=2अंक

(ख) अलंकार (1) शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष (परिभाषा अथवा उदाहरण) 2 अंक
(2) अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, सन्देह, भ्रान्तिमान, अन्वय, प्रतीप, दृष्टान्त तथा अतिशयोक्ति (परिभाषा अथवा उदाहरण)
(ग) छन्द (1) मात्रिक–चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, कुण्डलिया, हरिगीतिका, वरवै (लक्षण एवं उदाहरण) 1+1=2 अंक

(2) वर्णवृत्त–इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया, मत्त्गयंद, सुमुखी, सुन्दरी, बसन्ततिलका (लक्षण एवं उदाहरण)
(3) मुक्तक–मनहर (लक्षण एवं उदाहरण)

12–निबन्ध–हिन्दी में मौलिक अभिव्यक्ति। दिये हुए विषय पर निबन्ध, (जनसंख्या, पर्यावरण, स्वास्थ्य शिक्षा, यातायात के नियम आदि की जानकारी हेतु इन विषयों पर भी निबन्ध पूंछे जायेंगें)। 2+7=9 अंक

संस्कृत व्याकरण– (क्रम संख्या 12 एवं 13 से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूंछे जायेंगे)

13– क–सन्धि– (1) स्वर सन्धि–एचोऽयवायावः एडः पदान्तादति, एङपररूपम् 1x3=3 अंक

(2) व्यंजन सन्धि– स्तोः श्चुनाश्चुः, ष्टुनाष्टुः, झलांजशझशि, खरिच, मोऽनुस्वारः तोर्लि, अनुस्वारस्यययि पर सवर्णः।
(3)विसर्ग सन्धि– विसर्जनीयस्य सः, सजुषोरूः, अतोरोरप्लुतादप्लुते, हशिच, रोरि।

ख– समास–अव्ययीभाव, कर्मधारय, बहुब्रीहि। 1+1=2 अंक

14–(क) शब्दरूप (1) संज्ञा–आत्मन्, नामन, राजन्, जगत्, सरित्। 1+1=2 अंक
(2) सर्वनाम– सर्व, इदम्, यद्।

(ख)–धातुरूप–लट्, लोट, विधिलिङ्ग, लङ, लृट–(परस्मैपदी) स्था, पा, नी, दा, कृ, चुर् 1+1=2 अंक

(ग)–प्रत्यय (1) कृत–क्त, क्त्वा, तब्यत्, अनीयर् 1+1=2 अंक

(2) तद्धित–त्व, मतुप, वतुप

(घ)–विभक्ति परिचय–अभितः परितः, समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि, येनाङ्गविकारः,सहयुक्तेऽप्रधाने, नमः स्वस्तिस्वाहा, स्वधालंबषट्योगाच्च, षष्ठीशेषे, यतश्चनिर्धारणम। 1+1=2 अंक

15–हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। 2+2=4 अंक

निर्धारित पाठ्य वस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश) का अध्ययन करना होगा।

खण्ड–क

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	पाठ का नाम
1	2	3
गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है?
	2–आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	महाकवि माघ का प्रभात वर्णन
	3–श्याम सुन्दर दास	भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
	4–सरदार पूर्ण सिंह	आचरण की सभ्यता
	5–डा0 सम्पूर्णानन्द	शिक्षा का उद्देश्य
	6–रायकृष्ण दास	आनन्द की खोज, पागल पथिक
	7–राहुल सांकृत्यायन	अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा
	8–रामबृक्ष बेनीपुरी	गेहूं बनाम गुलाब
	9– – – –	सड़क सुरक्षा
	10– – – – –	गंगा की स्वच्छता एवं संरक्षण
काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1–कबीरदास	साखी, पदावली
	2–मलिक मुहम्मद जायसी	नागमती का वियोग वर्णन
	3– सूरदास	विनय, वात्सल्य, भ्रमरगीत
	4– तुलसीदास	भरत– महिमा, गीतावली, कवितावली, दोहावली, विनय पत्रिका।
	5–केशवदास	स्वयंवर–कथा, विश्वामित्र और जनक की भेंट
	6–कविवर बिहारी	भक्ति एवं श्रृंगार।
	7–महाकवि भूषण	शिवा–शौर्य, छत्रसाल प्रशस्ति
	8–विविधा	सेनापति, देव, घनानन्द
कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1–प्रेमचन्द	बलिदान
	2–जयशंकर 'प्रसाद'	आकाश दीप
	3– भगवती चरण वर्मा	प्रायश्चित
	4–यशपाल	समय
	5–जैनेन्द्र कुमार	ध्रुवयात्रा

नाटक (सहायक पुस्तक)

क्र0 सं0	पुस्तक तथा लेखक	प्रकाशक	अनुदानित जिले
1	कुहासा और किरण लेखक–श्री विष्णु प्रभाकर	भारतीय साहित्य प्रकाशन, 204–ए वेस्ट एण्ड रोड, सदर,	मेरठ, आजमगढ़, मुरादाबाद, बलिया, रायबरेली, झांसी, सुल्तानपुर, लखीमपुर

		मेरठ।	खीरी, बदायूँ, पीलीभीत।
2	आन की मान लेखक–श्री हरिकृष्ण प्रेमी	कौशाम्बी प्रकाशन, दारागंज, प्रयागराज	वाराणसी, लखनऊ, इटावा, बरेली, फर्रूखाबाद, एटा, शाहजहांपुर, उन्नाव, हमीरपुर।
3	गरूड़ ध्वज लेखक–लक्ष्मी नारायण मिश्र	साहित्य भवन, प्रा0लि0, 93, के0पी0 कक्कड़ रोड़, प्रयागराज।	आगरा, गोरखपुर, जौनपुर, फैजाबाद, बिजनौर, फतेहपुर, गोण्डा, सीतापुर, प्रतापगढ़, बहराइच, ललितपुर।
4	सूत पुत्र लेखक–डा0 गंगा सहाय "प्रेमी"	राम प्रसाद एण्ड सन्स, अस्पताल रोड, आगरा।	प्रयागराज, सहारनपुर, अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, गाजीपुर, मैनपुरी, जालौन, हरदोई, बाराबंकी।
5	राज मुकुट लेखक–श्री व्यथित "हृदय"	सिम्बुल लैंग्वेज कारपोरेशन अस्पताल रोड़, आगरा	कानपुर, बुलन्दशहर, मथुरा, बस्ती, मिर्जापुर, देवरिया, बांदा, रामपुर।

नोट :–इसके अतिरिक्त अन्य जिलों/नवसृजित जिलों में नाटक पूर्व की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

खण्ड–ख

संस्कृत दिग्दर्शिका

पाठ्य वस्तु

1–वन्दना
2–प्रयागः
3–सदाचारोपदेशः
4–हिमालयः
5–गीतामृतम्
6–चरैवेति–चरैवेति
7–विश्वबन्द्याः कवयः,
8–लोभः पापस्य कारणम।
9– चतुरश्चौर
10–सुभाषचन्द्रः।